Cl-No. 9276 -C

Unique Paper Code: 2114000011

Name of the Paper: Foundations of Inquiry in Psychology

Name of the Course: Common Pool of GE Courses

Semester: IV/VI

Duration: 3 hours

Maximum Marks: 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt a total of 4 questions. Question no. 6 is compulsory.
3. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

Q1. Compare and contrast the positivist and post-positivist paradigms in psychological research. Discuss their key assumptions and implications. (10+10)

मनोवैज्ञानिक शोध में प्रत्यक्षवादी और उत्तर-प्रत्यक्षवादी प्रतिमानों की तुलना और अंतर बताइए। उनकी प्रमुख मान्यताओं और निहितार्थों पर चर्चा कीजिए।

Q2. Analyze the case study as a method of data collection. Discuss its applicability, strengths, and limitations in psychological inquiry. (10+10)

डेटा संग्रह की विधि के रूप में केस स्टडी का विश्लेषण करें। मनोवैज्ञानिक जांच में इसकी प्रयोज्यता, ताकत और सीमाओं पर चर्चा करें।

Q3. Explain the importance of balancing scientific rigor with ethical considerations in psychological research. Discuss with reference to major ethical guidelines. (15+5)

मनोवैज्ञानिक शोध में वैज्ञानिक कठोरता और नैतिक विचारों के बीच संतुलन के महत्व को समझाइए। प्रमुख नैतिक दिशा-निर्देशों के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

P.T.O.

Q4. Differentiate between cross-sectional and longitudinal designs with examples. Outline three advantages and three disadvantages of each. (14+6)

उदाहरणों के साथ अनुप्रस्थ-काट और अनुदैर्ध्य डिज़ाइनों के बीच अंतर बताइए। प्रत्येक के तीन फायदे और तीन नुकसान बताइए।

Q5.Discuss the benefits and key challenges of integrating multiple paradigms in psychological research. (20)

मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में बहुविध प्रतिमानों को एकीकृत करने की चुनौतियों और लाभों पर चर्चा करें।

Q6.Write short notes on any three of the following: (10, 10, 10)

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें:

a) Critical Paradigm

   आलोचनात्मक प्रतिमान

b) Observational Research

   अवलोकन संबंधी अनुसंधान

c) Quantitative Approach to Inquiry

   जांच के लिए मात्रात्मक दृष्टिकोण

d) Using Secondary Data

   द्वितीयक डेटा का उपयोग करना

e) Correlational Design

   सहसंबंधी डिजाइन